दिनांक 02, अक्टूबर, 2023

नवाब वाजिद अली शाह, प्राणि उद्यान, लखनऊ
प्रेस विज्ञप्ति

दिनाकं 02 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर महात्मा गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम कार्यालय प्रांगण में किया गया, जिसमें प्राणि उद्यान लखनऊ के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवाब बाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ में वन्य प्राणि सप्ताह–2023 का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री के0पी0 मलिक, मा0 राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा प्रवेश द्वार संख्या–2 पर वन्य प्राणि सप्ताह–2023 के उपलक्ष्य में लगे स्टॉल का अवलोकन किया गया। प्राणि उद्यान में लगायी गयी फोटो गैलरी का भी अवलोकन किया गया। प्राणि उद्यान द्वारा स्क्रैप से तैयार किये गये बब्बर शेर का लोकार्पण किया एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा तैयार की गयी पेन्टिंग का अवलोकन किया गया तथा स्कूली बच्चों द्वारा वन्य जीव संरक्षण पर आधारित निकाली गयी रैली को झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री दुर्गा शंकर मिश्र, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, श्री सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, श्री अंजनी कुमार आचार्य, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश, श्री अनुपम गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश, श्री संजय श्रीवास्तव, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक एवं कृषि वानिकी, उत्तर प्रदेश, श्री सुनील चौधरी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रोजेक्ट टाइगर, उत्तर प्रदेश, श्रीमती अदिति शर्मा, निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, श्री आर0के0 नेगी, क्षेत्रीय वनाधिकारी, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के साथ वन विभाग एवं प्राणि उद्यान के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राणि उद्यान, लखनऊ की निदेशक, श्रीमती अदिति शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि महोदय एवं अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर वन्य प्राणि सप्ताह–2023 को औपचारिक शुभारम्भ किया गया।

एमिकस एकेडमी की छात्राओं द्वारा आये हुए अतिथियों के स्वागत में खूबसूरत स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

प्राणि उद्यान, लखनऊ की निदेशक, श्रीमती अदिति शर्मा द्वारा समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्राणि उद्यान 1921 स्थापित किया गया था और तब से अब तक हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा–निर्देशन में मनाया जाता रहा है। प्राणि उद्यान का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि मुख्य अतिथि महोदय एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारिगणों की उपस्थिति प्राणि उद्यान हमेशा गौरवान्वित करती है और भविष्य में भी आप सभी का संरक्षण प्राणि उद्यान को प्राप्त होता रहेगा। अन्त में निदेशक महोदया ने वन्य प्राणि सप्ताह–2023 की शुभकामनाएं दी।

मुख्य अतिथि द्वारा प्राणि उद्यान द्वारा तैयार की गयी शॉर्ट फिल्म/डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण किया गया तथा श्री आर0एस0 भदौरिया, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश द्वारा लिखित पुस्तक ''हाथी मेरे साथी'' भाग–2 का विमोचन किया।

श्री आर0एस0 भदौरिया जी ने कहा कि हाथी मनुष्य का सबसे बफादार साथी है। इस पुस्तक के माध्यम से हाथी का संरक्षण कैसे करे, इस पुस्तक के माध्यम से हाथी से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गयी हैं।

श्री सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने कहा कि प्राणि उद्यान के अधिकारी एवं कर्मचारी जिस प्रकार से कार्य करते हैं वह अनुकरणीय है। प्राणि उद्यान द्वारा जिस तरह स्क्रैप का उपयोग कर बब्बर शेर बनाया गया है, उसी प्रकार अन्य प्राणि उद्यानों को भी स्क्रैप का उपयोग करना चाहिए।

श्री दुर्गा शंकर मिश्र, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन ने अपना उद्बोधन राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्रारम्भ किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने एक ऐसी हुकूमत को चुनौती दे डाली जिसका सूरज कभी अस्त नहीं होता था। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर अंग्रेजी हुकूमत की जड़े हिला दी और एक दिन उस हुकूमत के सूरज का अंत हो गया और उन्हें भारत छोड़कर जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्राणि उद्यान में स्क्रैप से तैयार किया गया बब्बर शेर मा0 प्रधानमंत्री जी के अवधारणा को अवलोकित करता है तथा जिसका दर्शन प्राणि उद्यान में प्रवेश करते ही देखने का मिलेगा। श्री आर0एस0 भदौरिया जी की पुस्तक ''हाथी मेरे साथी'' जिसका आज विमोचन किया गया है, हाथी का जिक्र करते हुए कहा कि पहले गाँवों में शादी तब तक नहीं होती थीं जब तक कि हाथी की पूजा न कर ली जाए। हमारे देश में वन्यजीवों, पेड़–पौधों, नदियों आदि की पूजा की जाती है। शायद ही ऐसी कोई वस्तु हो जिसमें ईश्वर का प्रतिबिम्ब न देखा जाता हो, यही है हमारे भारत देश की संस्कृति। आज हम जिन्हें हिंसक पशु के रूप में जानते हैं, पूर्व में उन्हें घरों में पाला जाता था और वह मारे मित्र हुआ करते थे तथा वह हमारे साथ–साथ रहते थे। मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2070 तक जीरो कार्बन उत्र्सजन का लक्ष्य रखा गया है, जिसका जलवायु परिवर्तन पर अच्छा असर पड़ेगा तथा कार्बन का उपयोग बिल्कुल समाप्त हो जाएगा। पहले हम सभी लोग प्रकृति के साथ जीवन व्यतीत करते थे परन्तु आज हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, जिसका दुष्प्रभाव हमें देखने को भी मिलत है। वन्य प्राणि सप्ताह के माध्यम से हम अपने वन्यजीवों और प्रकृति को याद करते हैं। उन्होंने आवाह्न किया कि हम कम से कम कूड़ा पैदा करें और कम से कम संसाधनों का उपयोग करने का प्रयास करें ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रह सके। यदि हमारा वातावरण शुद्ध होगा तो हमारे कार्य करने की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। यदि वातावरण शुद्ध नहीं होगा, कार्बन की मात्रा अधिक होगी तो आप महसूस करेंगे कि हम ठीक तरह से सांस भी नहीं ले पायेंगे और हम कार्य भी ठीक तरह से नहीं कर पायेंगे। प्राणि उद्यान में कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि प्राणि उद्यान का भ्रमण करने आने वाले विद्यार्थियों को बतायें आप वन्यजीवों का ध्यान कैसे रखते हैं, इससे विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

मुख्य अतिथि महोदय ने सर्व प्रथम वन्य प्राणि सप्ताह– 2023 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्राणि उद्यान के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकृति और वन्य जीवों के लिए जो कार्य कर रहे हैं उसके आप सभी बधाई के पात्र हैं। वातावरण में जितने भी जीव–जन्तु हैं, प्रकृति को सबसे अधिक यदि किसी नुकसान पहुँचाया है तो वो है मनुष्य। मा0 प्रधानमंत्री जी एंव मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा अलग–अलग माध्यमों से प्रकृति एवं वन्यजीवों को संरक्षित करने का आवाह्न भी किया जात रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मुर्गा हमारा अलार्म होता था। सूरज उगने के साथ उठ जाते थे और सूरज छिपने के साथ सो जाते थे। हमने अपनी सुख–सुविधाओं के लिए वन्यजीवों और प्रकृति पर अत्याचार किए हैं जिसका खामियाजा आज में भुगत भी रहे हैं। स्क्रैप से तैयार किया गया बब्बर शेर बनाने वाले कलाकार बधाई के पात्र हैं तथा कलाकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप लोग दूर–दूर तक गाँवों और स्कूलों में जाएं और वहां स्क्रैप का उपयोग कैसे करें, यह सिखाएं, इससे लोगों में जागरूकता उत्पन्न होगी।

वन्य प्राणि सप्ताह– 2023 के शुभारम्भ समारोह में आये हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया गया।

डा0 उत्कर्ष शुक्ला, उप निदेशक, नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ द्वारा समस्त अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। वन्य प्राणि सप्ताह– 2023 के शुभारम्भ समारोह का संचालन श्रीमती बिन्दु जैन द्वारा किया गया।

(–ह0–)
(अदिति शर्मा)
निदेशक
नवाब वाजिद अली शाह,
प्राणि उद्यान लखनऊ